# प्रो. त्रिखा को गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मान मीडिया के गंभीर अध्येता वरिष्ठ पत्रकार डॉ. नंद किशोर त्रिखा को प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक समारोह में भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष एवं न्यायमूर्ति श्री जी.एन. रे ने उन्हें शाल श्रीफल, एक लाख एक रुपये और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र प्रभु, स्वदेश के प्रबंध सम्पादक राजेन्द्र शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अच्युतानंद मिश्र एवं कुलाधिसचिव ओ.पी. दुबे विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति श्री रे ने कहा कि मीडिया समाज का दर्पण होता है, पर आज वह दोराहे पर खड़ा है, उसमें गिरावट आ रही है। यह देश और प्रजातंत्र के लिए घातक है। मीडिया को इस स्थिति से उभारने के लिए पत्रकारों को आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि श्री त्रिखा का सम्मान पत्रकारिता के आदर्शों का सम्मान है। स्नेहिल सम्मान से अभिभूत डॉ. त्रिखा ने विनम्रतापूर्वक सम्मान स्वीकार करते हुए कहा कि मैं मानता हूँ कि समाज में सदैव हमें हमारे उचित देय से अधिक दिया है। मुझे तो निश्चित रूप मेरी योग्यता और क्षमता से अधिक मिला है। परमशक्ति ने मुझ जैसे अत्यंत साधारण प्रतिभा और प्रज्ञा के व्यक्ति को अनेक सम्मानों से ऋणी किया है किंतु आज का यह सम्मान मेरे लिए सर्वथा अमूल्य और अविस्मरणीय है। जब इसे प्रदान किये जाने की जानकारी मुझे दी गयी तो भोपाल की अरेरा कॉलोनी के एक छोर में स्थित उस गुरुकुल का दृश्य स्मृतियों के पटल पर जीवंत बन आया जहाँ इस विश्वविद्यालय ने अपना शैशव शुरू किया था। यह एक बड़ी चुनौती थी उन महती अपेक्षाओं को पूरा करने की जो एशिया के सर्वप्रथम पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से की जा रही थी। चुनौती थी, नींव का एक-एक पत्थर सोच-विचार कर रखने की। इस महान 'एक भारतीय आत्मा' के नाम और यश को मलिन न होने देने की। तात्कालिक और भावी दिशा व स्वरूप निर्धारित करने की। हर प्रकार से दक्ष, प्रबुद्ध तथा पत्रकारिता, समाज और राष्ट्र के उदात्त उद्देश्यों को समर्पित भावी पत्रकारों और अन्य मीडिया कर्मियों को गढ़ने व तराशने की और फिर उन्हें सुयोग्य स्पर्द्धियों के रूप में कार्यक्षेत्र में उतारने की। आज यह देखकर आनंद की सीमा नहीं रहती कि उनमें से अनेक इस समय मीडिया की विभिन्न विधाओं में शीर्ष स्थानों पर आसीन हैं।

विश्वविद्यालय के प्रथम वरिष्ठ प्रोफेसर और संकाय अध्यक्ष के रूप में मैं इसमें कुछ तुच्छ योगदान कर सका- इस संतोष के साथ आपके द्वारा दिया जा रहा यह सम्मान में आभार और कृतज्ञता के भाव के साथ विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ। डॉ. त्रिखा ने पत्रकार प्रवर प्रभाष जोशी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र प्रभु ने श्री त्रिखा के पत्रकारीय आदर्शों के प्रति समर्पण को याद किया। स्वदेश के प्रबंध संपादक श्री राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि आज पत्रकारिता की डगर कठिन है। डॉ.त्रिखा ने पत्रकारिता के उच्चतम आदर्शों को छुआ और निरंतर पत्रकारिता के धर्म का पालन किया। राष्ट्रवादी पत्रकारिता के पक्षधर डॉ.त्रिखा पत्रकारिता की विधाओं की त्रिवेणी हैं, उन्होंने पत्रकार, लेखक अध्यापक तीनों रूपों में अपनी छाप छोड़ी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अच्युतानंद मिश्र ने प्रशस्ति का वाचन किया।

आभार प्रदर्शन कुलाधिसचिव ओ.पी. दुबे ने किया। कार्यक्रम का संचालन जनसंचार विभाग के अध्यक्ष संजय द्विवेदी ने किया। ❑